



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 335]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 9, 2012/आषाढ़ 18, 1934

No. 335]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 9, 2012/ASADHA 18, 1934

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 2012

सं. 30/2012-केंद्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 442(अ).— अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व के माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) तथा अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (कपड़ा तथा कपड़े की वस्तुएं) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार इस बात से संतुष्ट होने पर कि ऐसा करना लोकहित में अनिवार्य है, एतद्वारा केंद्रीय उत्पादशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम और द्वितीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट माल को, विदेश व्यापार नीति के पैराग्राफ 3.14 के अनुसार किसी क्षेत्रीय प्राधिकारी द्वारा किसी निर्यातक को जारी फोकस मार्केट स्कीम पर्ची (इसके बाद कथित पर्ची कहा गया है) के समक्ष निकासी होने पर, निम्नलिखित से छूट प्रदान करती है, -

- (i) केंद्रीय उत्पादशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम और द्वितीय अनुसूची के तहत उस पर उद्बहणीय समस्त उत्पादशुल्क से;
- (ii) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व के माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 के तहत उस पर उद्बहणीय समस्त अतिरिक्त उत्पादशुल्क से; और
- (iii) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (कपड़ा तथा कपड़े की वस्तुएं) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 के तहत उस पर उद्बहणीय समस्त अतिरिक्त उत्पादशुल्क से।

2. यह छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी, नामशः-

(क) कथित पर्ची प्रक्रिया पुस्तिका, खंड-1 के परिशिष्ट 37ग में अधिसूचित देशों को निर्यातों के समक्ष जारी की गयी हो:

बशर्ते विदेश व्यापार नीति के पैराग्राफ 3.17.2 और 3.14.3 में विनिर्दिष्ट निम्नलिखित प्रकार के निर्यातों को निर्यात निष्पादन की गणना या फोकस मार्केट स्कीम के तहत पात्रता की संगणना के लिए नहीं गिना जाएगा, नामशः-

- (i) निर्यातोन्मुखी इकाइयां या इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क या जैवप्रौद्योगिकी पार्क जो प्रत्यक्ष कर का हितलाभ या छूट ले रहे हों;
- (ii) विदेश व्यापार नीति के पैरा 2.35 के तहत परिवर्तित आयातित मालों का निर्यात;
- (iii) यानांतरण के जरिए निर्यात, अर्थात् उसके द्वारा वह निर्यात तीसरे देश में उत्पन्न हो रहा है किंतु भारत के जरिए यानांतरण किया गया है;
- (iv) मानद निर्यात;
- (v) विशेष आर्थिक जोन की यूनिटों द्वारा किए गए निर्यात या विशेष आर्थिक जोन के उत्पाद जिनका निर्यात घरेलू टैरिफ क्षेत्र की यूनिटों द्वारा किया गया हो;
- (vi) वे मर्चे, जो आईटीसी (एचएस) में निर्यात नीति की अनुसूची 2 में प्रतिबंधित हैं या निर्यात निषिद्ध है;
- (vii) विशेष आर्थिक जोन की यूनिटों को की गयी आपूर्तियां;
- (viii) सेवा निर्यात;
- (ix) हीरे एवं अन्य कीमती या अर्ध कीमती रत्न;
- (x) सादे और जड़ाऊ आभूषणों सहित सोना, चाँदी, प्लैटिनम या अन्य कीमती धातुएं;
- (xi) सभी प्रकार के सभी स्वरूपों के अयस्क और संकेंद्रण;
- (xii) सभी प्रकार के अनाज;
- (xiii) सभी प्रकार के और सभी स्वरूपों की चीनी;
- (xiv) आईटीसी एचएस कोड 2709 से 2715 तक के तहत शामिल सभी प्रकार के सभी स्वरूपों के कच्चे या पेट्रोलियम तेल तथा कच्चे या पेट्रोलियम आधारित उत्पाद; और
- (xv) आईटीसी एचएस कोड 0401 से 0406, 19011001, 19011010, 2105 एवं 3501 के तहत शामिल दुग्ध और दुग्ध उत्पादों का निर्यात;

(ख) यह कि इस अधिसूचना के तहत हितलाभ उन मदों की निकासी के लिए उपलब्ध नहीं होंगे, जो प्रक्रिया पुस्तिका, खंड-1 के परिशिष्ट 37ख में सूचीबद्ध हैं;

(ग) यह कि इस अधिसूचना के तहत हितलाभ उन मालों या मदों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे, कथित पर्ची के समक्ष जिनके आयात की अनुमति नहीं है;

(घ) यह कि कथित पर्ची पंजीकरण पत्तन पर सीमाशुल्क प्राधिकारी के यहां पंजीकृत है (जिसे इसके बाद कथित सीमाशुल्क प्राधिकारी कहा गया है);

(ङ) यह कि कथित पर्ची का धारक, जो ऐसा व्यक्ति हो सकता है जिसे पर्ची मूलतः जारी की गयी थी या हस्तांतरण धारी हो, कथित पर्ची को कथित सीमाशुल्क प्राधिकारी को आपूर्तिकर्ता या विनर्माता से पत्र या प्रोफार्मा बीजक के साथ प्रस्तुत करे जिसमें उसके क्षेत्राधिकारी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी (जिसे इसके बाद कथित अधिकारी कहा गया है) के क्षेत्राधिकार के ब्यौरे हों तथा निकासी किए जाने वाले माल का विवरण, मात्रा, मूल्य एवं उस पर उद्घटनीय शुल्कों के ब्यौरे हों, इस छूट को छोड़कर;

(च) यह कि कथित सीमाशुल्क प्राधिकारी, अधिसूचना सं. 93/2009-सीमा शुल्क, दिनांक 11 सितंबर, 2009 के तहत आयातों तथा उसकी छूटों के समक्ष पहले ही किए गए नामों को लेखे में लेते हुए कथित पर्ची में या उसके पीछे उद्घटनीय शुल्कों को नामे करेगा, उस पर आवश्यक ब्यौरे भी लिखता है, अपने अभिलेखों को अद्यतन करता है, तथा इन कार्रवाइयों की लिखित सलाह कथित अधिकारी को भेजता है;

(छ) यह कि निकासी के समय, पर्ची का धारक कथित सीमाशुल्क प्राधिकारी द्वारा नामे की गयी कथित पर्ची को कथित अधिकारी के समक्ष कथित अधिकारी को संबोधित एक वचनपत्र के साथ प्रस्तुत करता है कि कथित पर्ची में किसी धनराशि के कम नामे होने के मामले में वह मांग करने पर कम नामे की धनराशि के बराबर धन लागू ब्याज के साथ अदा करेगा;

(ज) यह कि कथित लिखित सलाह और वचनपत्र के आधार पर, कथित अधिकारी निकासी के ब्यौरों को पृष्ठांकित करता है तथा कथित पर्ची के पीछे, इस छूट को छोड़कर, उद्घटनीय शुल्कों का वैधयन करता है जिसे कथित सीमाशुल्क प्राधिकारी द्वारा नामे किया गया, तथा ऐसी निकासियों का एक अभिलेख रखता है;

(झ) यह कि विनर्माता इस अधिसूचना के तहत निकासी के समर्थन में, कथित सीमाशुल्क प्राधिकारी द्वारा नामे किए गए तथा कथित अधिकारी द्वारा पृष्ठांकित एवं पर्ची के धारक द्वारा विधिवत सत्यापित कथित पर्ची की एक प्रतिलिपि रखता है; और

(ञ) यह कि कथित पर्ची का धारक, जिसे माल की निकासी की गयी थी, केन्द्रीय उत्पादशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम और द्वितीय अनुसूची, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व के माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3, तथा अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (कपड़ा तथा कपड़े की वस्तुएं) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 के तहत उस पर उद्घटनीय उत्पादशुल्क पर, कथित पर्ची में नामे की गयी तथा निकासी के समय वैधकृत धनराशि के समक्ष प्रतिअदायगी या सेनवेट क्रेडिट का लाभ लेने का पात्र होगा।

स्पष्टीकरण - इस अधिसूचना के प्रयोजनों से,-

(क) “विदेश व्यापार नीति” का अर्थ विदेश व्यापार नीति, 2009-14 है, जो भारत सरकार, वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय द्वारा अधिसूचना सं. 01 (आरई 2012)/2009-2014, दिनांक 5 जून, 2012 के तहत प्रकाशित की गयी है।

(ख) “प्रक्रिया पुस्तिका, खंड-1” का अर्थ प्रक्रिया पुस्तिका, खंड-, 2009-14 है, जो भारत सरकार, वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय द्वारा लोक सूचना सं. 01 (आरई 2012)/2009-2014, दिनांक 5 जून, 2012 के तहत प्रकाशित की गयी है।

(ग) “क्षेत्रीय प्राधिकारी” का अर्थ वह प्राधिकारी है, जो विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 का 22) के तहत शुल्क साख पर्ची की मंजूरी देने के लिए सक्षम है।

[फा. सं. 605/12/2012-डीबीके]

राजेश कुमार अग्रवाल, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th July, 2012

No. 30/2012-Central Excise

G.S.R. 542(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978), the Central Government, on being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods specified in the First Schedule and the Second Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), when cleared against a Focus Market Scheme duty credit scrip issued to an exporter by the Regional Authority in accordance with paragraph 3.14 of the Foreign Trade Policy (hereinafter referred to as the said scrip) from,—

- (i) the whole of the duty of excise leviable thereon under the First Schedule and the Second Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986);
- (ii) the whole of the additional duty of excise leviable thereon under section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957); and
- (iii) the whole of the additional duty of excise leviable thereon under section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978).

2. The exemption shall be subject to the following conditions, namely:—

- (a) that said scrip is issued against exports to the countries notified in Appendix 37C of the Handbook of Procedures, Volume I:

Provided that the following categories of exports specified in paragraph 3.17.2 and 3.14.3 of the Foreign Trade Policy shall not be counted for calculation of export performance or for computation of entitlement under the Focus Market Scheme, namely:—

- (i) Export Oriented Units or Electronic Hardware Technology Parks or Biotechnology Parks which are availing direct tax benefits or exemption;
- (ii) Export of imported goods covered under Para 2.35 of the Foreign Trade Policy;

- (iii) Exports through transshipment, meaning thereby that exports originating in third country but transhipped through India;
 - (iv) Deemed Exports;
 - (v) Exports made by Special Economic Zone units or Special Economic Zone products exported through Domestic Tariff Area units;
 - (vi) Items, which are restricted or prohibited for export under Schedule-2 of Export Policy in ITC (HS);
 - (vii) Supplies made to Special Economic Zone units;
 - (viii) Service Exports;
 - (ix) Diamonds and other precious, semi precious stones;
 - (x) Gold, silver, platinum and other precious metals in any form, including plain and studded jewellery;
 - (xi) Ores and Concentrates, of all types and in all forms;
 - (xii) Cereals, of all types;
 - (xiii) Sugar, of all types and in all forms;
 - (xiv) Crude or Petroleum oil and Crude or Petroleum based products covered under ITC HS codes 2709 to 2715, of all types and in all forms; and
 - (xv) Export of milk and milk products covered under ITC HS Codes 0401 to 0406, 19011001, 19011010, 2105 and 3501;
- (b) that the benefits under this notification shall not be available to clear the items listed in Appendix 37B of the Handbook of Procedures, Volume I;
- (c) that the benefits under this notification shall not be available to goods or items, the imports of which are not permitted against the said scrip;
- (d) that the said scrip is registered with the Customs authority at the port of registration (hereinafter referred as the said Customs authority);
- (e) that the holder of the scrip, who may either be the person to whom the scrip was originally issued or a transferee-holder, presents the said scrip to the said Customs authority along with a letter or proforma invoice from the supplier or manufacturer indicating details of its jurisdictional Central Excise Officer (hereinafter referred as the said Officer) and the description, quantity, value of the goods to be cleared and the duties leviable thereon, but for this exemption;

251997/12-2

- (f) that the said Customs authority, taking into account the debits already made towards imports under Notification No. 93/2009-Customs, dated the 11th September, 2009 and this exemption, shall debit the duties leviable, but for this exemption in or on the reverse of the said scrip and also mentions the necessary details thereon, updates its own records and sends written advice of these actions to the said Officer;
- (g) that at the time of clearance, the holder of the scrip presents the said scrip debited by the said Customs authority to the said Officer along with an undertaking addressed to the said Officer that in case of any amount short debited in the said scrip he shall pay on demand an amount equal to the short debit, along with applicable interest;
- (h) that based on the said written advice and undertaking, the said Officer endorses the clearance particulars and validates, on the reverse of the said scrip, the details of the duties leviable, but for this exemption, which were debited by the said Customs authority, and keeps a record of such clearances;
- (i) that the manufacturer retains a copy of the said scrip, debited by the said Customs authority and endorsed by the said Officer and duly attested by the holder of the scrip, in support of the clearance under this notification; and
- (j) that the said holder of the scrip, to whom the goods were cleared, shall be entitled to avail the drawback or CENVAT credit of the duties of excise leviable under the First Schedule and the Second Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978), against the amount debited in the said scrip and validated at the time of clearance.

Explanation - For the purposes of this notification,-

(A) "Foreign Trade Policy" means the Foreign Trade Policy, 2009-14, published by the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry, vide notification No.01 (RE 2012)/2009-2014, dated the 5th June, 2012.

(B) "Handbook of Procedures Volume 1" means the Handbook of Procedures Volume 1, 2009-14, published by the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry, vide Public Notice No.01 (RE 2012)/2009-2014, dated the 5th June, 2012.

(C) "Regional Authority" means the authority competent to grant a duty credit scrip under the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (22 of 1992).

[F. No. 605/12/2012-DBK]

RAJESH KUMAR AGARWAL, Under Secy.